# न्यूज़ टुडे

## FAO की "वैश्विक रूप से महत्वपूर्ण कृषि विरासत प्रणालियों (GIAHS)" में छह नवीन पारंपरिक कृषि प्रणालियों को शामिल किया गया

**हाल ही में, इसमें निम्नलिखित कृषि प्रणालियों को शामिल किया गया है:**

- **ब्राजील में एरवा-माटे पादप के लिए पारंपरिक** कृषि वानिकी प्रणाली;
- **चीन में पर्ल मसेल्स (एक मोलस्क), सफेद चाय और नाशपाती** के लिए विशेष खेती प्रणालियां;
- **मेक्सिको में महत्वपूर्ण खाद्य फसलों और जैव विविधता** को संरक्षित करने वाली पारंपरिक प्रणाली; तथा
- **स्पेन के लैंजारोटे द्वीप के ज्वालामुखीय क्षेत्र** में एक विशिष्ट कृषि प्रणाली।

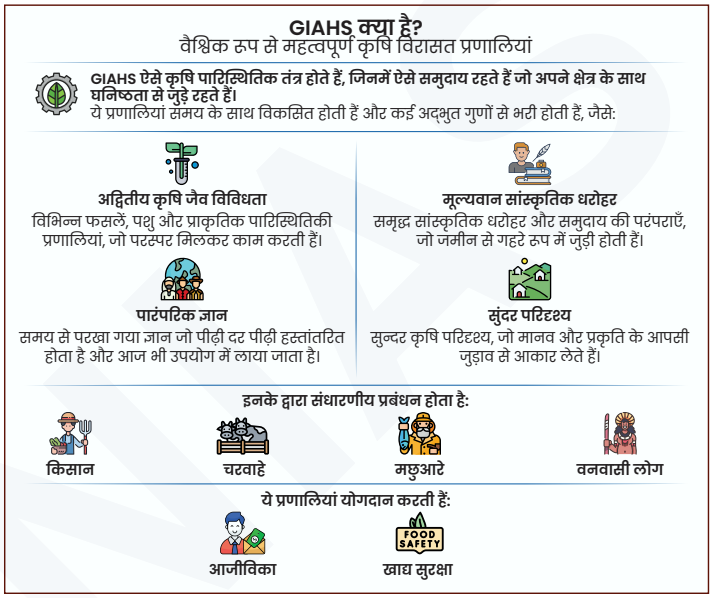


**वैश्विक रूप से महत्वपूर्ण कृषि विरासत प्रणालियां (GIAHS) प्रोग्राम के बारे में**

- **उत्पत्ति:** इसे 2002 में **विश्व सतत विकास शिखर सम्मेलन** में शुरू किया गया था। इसे फैमिली फार्मर्स और पारंपरिक कृषि प्रणालियों को गंभीर वैश्विक प्रवृत्तियों से बचाने के लिए शुरू किया गया है।
- **उद्देश्य:** पारंपरिक कृषि प्रणालियों को जलवायु परिवर्तन, समुदायों के विस्थापन और जैव विविधता की हानि जैसे खतरों से बचाना।
- **दृष्टिकोण:** इसमें **बहु-हितधारक दृष्टिकोण को अपनाते** हुए GIAHS के तहत निम्नलिखित प्रदान किया जाता है:
  - कृषि समुदायों को तकनीकी सहायता।
  - पारंपरिक कृषि संबंधी ज्ञान के महत्त्व को बढ़ावा।
  - कृषि उत्पादों, कृषि पर्यटन और बाजार संबंधी अन्य अवसरों के लिए बाजारों को प्रोत्साहन।
- **वर्तमान स्थिति:** वर्तमान में 28 देशों में 95 GIAHS प्रणालियां हैं। **इनमें भारत की निम्नलिखित प्रणालियां शामिल हैं:**
  - **कश्मीर की केसर विरासत;**
  - **ओडिशा की कोरापुट** पारंपरिक कृषि; तथा
  - **केरल की कुट्टनाड वेटलैंड कृषि प्रणाली** (धान की खेती **समुद्र तल से नीचे** लवणीय जल में डेल्टाई दलदलों को सूखाकर प्राप्त की गई भूमि पर की जाती है।)

**फैमिली फार्मिंग और पारंपरिक कृषि को क्यों संरक्षित किया जाए?**

- **खाद्य सुरक्षा:** फसल की किस्मों को संरक्षित और संसाधनों का संधारणीय उपयोग करते हुए विविधतापूर्ण व पौष्टिक तत्वों से संपन्न भोजन की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु।
- **आय सुरक्षा:** देशज लोगों सहित कृषि पर निर्भर 2.5 बिलियन लोगों के जीवन एवं आजीविका की सुरक्षा को बढ़ने हेतु।
- **सांस्कृतिक विरासत:** आधुनिक कृषि के विकल्प प्रस्तुत करते हुए वैश्विक समुदायों, संस्कृतियों, इतिहास और परंपराओं में व्यापक विविधता का संरक्षण करने हेतु।
- **नवाचार का आधार:** समकालीन और भविष्य के कृषि संबंधी नवाचार एवं प्रौद्योगिकियों के लिए आधार प्रदान करने हेतु।

मौजूदा समय में, फैमिली फार्मिंग और पारंपरिक कृषि प्रणालियों को संरक्षित करना पहले से कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण है, क्योंकि युवा पीढ़ी तेजी से शहरों की ओर पलायन कर रही है। फैमिली फार्मिंग की महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानते हुए, संयुक्त राष्ट्र ने **2019-2028 को "संयुक्त राष्ट्र फैमिली फार्मिंग दशक"** घोषित किया है।

## बेंगलुरु में भारी प्री-मानसून बारिश और उससे उत्पन्न बाढ़ ने शहरी बाढ़ की समस्या को उजागर किया

भारत में बढ़ते शहरीकरण के मद्देनजर शहरी बाढ़ के बढ़ते मामलों से स्थानीय अवसंरचना , व्यवसायों और मानव जीवन को **भारी नुकसान** हुआ है। इसका असर **स्थानीय, उप-राष्ट्रीय और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्थाओं** पर पड़ता है।

**शहरी बाढ़ की बढ़ती घटनाओं के लिए जिम्मेदार कारक**

- **क्षेत्रीय स्थलाकृति:** उदाहरण के लिए- **बेंगलुरु लगभग समुद्र जल-स्तर से 900 मीटर की ऊंचाई** पर स्थित है और यहां अतिरिक्त जल की निकासी के लिए कोई बड़ी नदी भी नहीं है।
- **अतिक्रमण और कंक्रीटीकरण:** बेंगलुरु में पहले मौजूद रही **झील को भर दिया गया है और उसकी पारिस्थितिकी प्रणालियां** सीमित हो गई हैं।
- **शासन प्रणाली की कमजोरी:** उदाहरण के लिए- **बेंगलुरु में जल का प्रबंधन बेंगलुरु जल आपूर्ति और सीवरेज बोर्ड** द्वारा किया जाता है तथा इसका नियोजन मुख्य रूप से **बेंगलुरु विकास प्राधिकरण** द्वारा किया जाता है। इन दोनों निकायों के मध्य **समन्वय और तालमेल का अभाव** देखने को मिलता है।
- **मौजूदा अवसंरचना की अक्षमता:** पहले से बनाई गई **वर्षा जल निकासी प्रणाली का या तो उचित रखरखाव नहीं** किया गया है या वे अत्यधिक वर्षा को संभालने में **सक्षम नहीं हैं। उदाहरण के लिए- चेन्नई (2023), केरल (2019) आदि।**
- **जलवायु परिवर्तन: तापमान में वृद्धि** के कारण वर्षा की **तीव्रता और आवृत्ति** बढ़ गई है ।

**शहरी बाढ़ की समस्या से निपटने के लिए प्रमुख उपाय**

- **राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA) द्वारा जारी शहरी बाढ़ प्रबंधन संबंधी दिशा-निर्देश:** इसमें पर्यावरण, अर्थव्यवस्था और विकास के मध्य परस्पर संबंध को उजागर किया गया है।
- **संशोधित शासन तंत्र:** इस समस्या से संबंधित किसी पेशेवर की अध्यक्षता में बहु-हितधारक और अंतर-विभागीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का गठन करना।
- **शहर स्तरीय योजना:** इसमें बाढ़ शमन योजना; शहरों की जलवायु कार्य योजना आदि शामिल हैं।

**विश्व के अन्य हिस्सों की सर्वोत्तम व्यवस्था: हांगकांग** की विशाल **भूमिगत जल भंडारण योजना** की क्षमता **100,000 घन मीटर** है। इसे **ताई हैंग स्टॉर्मवाटर स्टोरेज टैंक** कहा जाता है।

## अल्जीरिया न्यू डेवलपमेंट बैंक (NDB) का 9वां सदस्य बना

न्यू डेवलपमेंट बैंक (NDB) ने **स्वच्छ ऊर्जा जैसे प्रमुख क्षेत्रकों को कवर वाली 40 बिलियन अमेरिकी डॉलर** की निवेश परियोजनाओं को मंजूरी दी है। साथ ही, NDB की सदस्य संख्या में वृद्धि का भी निर्णय लिया गया है। इससे अन्य देशों के लिए निवेश के अवसर बढ़ेंगे।

**न्यू डेवलपमेंट बैंक (NDB) के बारे में (मुख्यालय: शंघाई, चीन)**

- **उत्पत्ति:** ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका (BRICS/ ब्रिक्स) द्वारा स्थापित। NDB की स्थापना के लिए समझौते पर **15 जुलाई, 2014 को फोर्टालेजा** में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान हस्ताक्षर किए गए थे और बैंक ने **21 जुलाई, 2015 को परिचालन** शुरू किया था।
- **उद्देश्य:** यह एक **बहुपक्षीय विकास बैंक** है। इसका उद्देश्य **उभरते बाजारों और विकासशील देशों में बुनियादी ढांचे और सतत विकास परियोजनाओं के लिए संसाधन जुटाना** है।
- **सदस्य:** ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, बांग्लादेश, संयुक्त अरब अमीरात, मिस्र और अल्जीरिया।
  - NDB के **अनुच्छेद 2** के अनुसार, इसकी सदस्यता **संयुक्त राष्ट्र** के सभी सदस्यों के लिए खुली है, जिसमें **ऋण लेने वाले और ऋण न लेने वाले दोनों सदस्य** शामिल हैं।
  - **उरुग्वे** को इसके **संभावित सदस्य** के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। इसे NDB के **बोर्ड ऑफ गवर्नर्स** द्वारा मंजूरी दी गई है, लेकिन अपनी **इंस्ट्रूमेंट ऑफ़ अक्सेशन** जमा करने के बाद इसे आधिकारिक तौर पर सदस्य का दर्जा दिया जाएगा।
- **पूंजी और शेयरधारिता:** इसकी स्थापना **100 बिलियन डॉलर की प्रारंभिक अधिकृत पूंजी** से की गई थी। इसके **सभी 5 संस्थापक सदस्यों की इसमें कुल 50 बिलियन डॉलर** की समान हिस्सेदारी है।
- **मतदान शक्ति:** संस्थापक सदस्यों की **संयुक्त मतदान शक्ति कम-से-कम 55% होगी।**

**अन्य प्रमुख क्षेत्रीय वित्तीय संस्थान**

| संस्थान | उत्पत्ति | उद्देश्य | सदस्य |
|---|---|---|---|
| **एशियाई विकास बैंक (मुख्यालय: मनीला, फिलीपींस)** | 1966 | **एशिया और प्रशांत क्षेत्र** में सामाजिक एवं आर्थिक विकास, क्षेत्रीय एकीकरण आदि। | **69** (50 एशिया-प्रशांत क्षेत्र से, 19 क्षेत्र के बाहर से), **भारत भी सदस्य है।** |
| **एशियाई अवसंरचना निवेश बैंक (मुख्यालय: बीजिंग, चीन)** | 2016 | **मुख्य रूप से एशिया में** वैश्विक पहुंच के साथ संधारणीय अवसंरचना और विकास परियोजनाओं को वित्त-पोषित करना। | **110** अनुमोदित (100 पूर्ण + 10 संभावित) सदस्य **(भारत, एक पूर्ण सदस्य है)।** |
| **अफ्रीकी विकास बैंक (मुख्यालय: आबिदजान, कोटे डी आइवर)** | 1964 | **पूरे अफ्रीका में** गरीबी उन्मूलन और सामाजिक-आर्थिक विकास। | 54 अफ्रीकी देश और 27 गैर-अफ्रीकी देश **(भारत सहित)।** |

**क्षेत्रीय वित्तीय संस्थानों का समकालीन महत्त्व**

- **सतत और समावेशी विकास:** उदाहरण के लिए- 2024 तक के आंकड़ों के अनुसार भारत में NDB द्वारा समर्थित **4.87 बिलियन डॉलर मूल्य की लगभग 20 परियोजनाएं चल** रही हैं। इनमें **परिवहन, जल संरक्षण** आदि शामिल हैं।
- **अवसंरचना और निवेश संबंधी अंतराल को भरना:** अवसंरचना के लिए **दीर्घकालिक वित्त जुटाना,** निजी निवेश को बढ़ावा देना और वित्त-पोषण की कमी को दूर करना।
- **क्षेत्रीय एकीकरण और स्थिरता को बढ़ावा देना:** सीमा-पार सहयोग को सुगम बनाना। **उदाहरण के लिए-** NDB और AIIB का संस्थापक सदस्य होने के नाते भारत ने **दक्षिण-दक्षिण सहयोग** को मजबूत किया है।

## राष्ट्रीय ध्रुवीय एवं समुद्री अनुसंधान केंद्र (NCPOR) की स्थापना के 25 वर्ष पूरे हुए

हाल ही में **राष्ट्रीय ध्रुवीय एवं समुद्री अनुसंधान केंद्र (NCPOR) की स्थापना की 25वीं वर्षगांठ** मनाई गई।

**NCPOR के बारे में**

- NCPOR का **मुख्यालय गोवा** में स्थित है।
- **स्थापना:** वर्ष 1998 में स्थापित NCPOR **पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय का एक स्वायत्त संस्थान** है।
- **शासी निकाय:** इसमें ध्रुवीय और समुद्री विज्ञान क्षेत्र से देश के अग्रणी **13 प्रतिनिधि** शामिल हैं।
  - **पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय का सचिव NCPOR का पदेन अध्यक्ष** होता है।

**NCPOR की मुख्य भूमिकाएं:**

- **ध्रुवीय और दक्षिणी महासागर क्षेत्रों में अनुसंधान:** यह **अंटार्कटिका** में स्थित भारत के **मैत्री और भारती** अनुसंधान स्टेशनों; **आर्कटिक** में स्थित **हिमाद्रि** अनुसंधान स्टेशन तथा **हिमालय** में स्थित **हिमांश** अनुसंधान स्टेशन के रखरखाव में योगदान करता है।
- **डीप ओशन मिशन का नेतृत्व:** इस मिशन का उद्देश्य **हिंद महासागर में खनिज संसाधनों और हाइड्रोथर्मल प्रणालियों की खोज एवं संभावनाएं तलाशना** है।
- यह संगठन **भारत की आर्कटिक नीति (2022) और भारतीय अंटार्कटिका अधिनियम (2022)** के क्रियान्वयन में मदद करता है।
  - **भारतीय अंटार्कटिका अधिनियम: अंटार्कटिका में भारत की गतिविधियों को कानूनी दर्जा** प्रदान करता है। साथ ही, यह अधिनियम अंटार्कटिका से संबंधित अंतर्राष्ट्रीय कानूनों पर नजर रखने हेतु **अंटार्कटिक गवर्नेंस और पर्यावरण संरक्षण समिति (CAG-EP)** के गठन का प्रावधान करता है।
- **आर्कटिक नीति:** इस नीति के **छह** स्तंभ हैं: विज्ञान एवं अनुसंधान; जलवायु और पर्यावरण संरक्षण; आर्थिक व मानव विकास; परिवहन और संपर्क; गवर्नेंस और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग; तथा राष्ट्रीय क्षमताओं का निर्माण।

**NCPOR का महत्त्व**

**ध्रुवीय क्षेत्रों में बर्फ की निगरानी:** ध्रुवीय क्षेत्र विश्व के 70% ताजे जल के स्रोत हैं। इनके पिघलने पर निचले तटीय क्षेत्र प्रभावित होंगे।

**महासागरीय भू-राजनीति पर नजर रखना:** महासागरीय क्षेत्र के मामले में यह अन्य देशों के साथ वैज्ञानिक और रणनीतिक संपर्क बनाए रखने में सहायता करता है।

**सुविधाकर्ता:** यह अलग-अलग मौसमों में कनाडा के आर्कटिक क्षेत्र, ग्रीनलैंड और मध्य आर्कटिक महासागर के लिए भविष्य के मिशनों में सहायता करता है।

# सुप्रीम कोर्ट ने झुडपी जंगलों को वन भूमि घोषित किया

सुप्रीम कोर्ट ने झुडपी के जंगलों को वन भूमि घोषित किया, हालांकि यहां 1996 से पहले निर्मित संरचनाओं को इससे छूट दी है। यह फैसला पर्यावरण की सुरक्षा और आजीविका के अधिकार के बीच संतुलन स्थापित करता है।

**सुप्रीम कोर्ट के फैसले के मुख्य बिंदुओं पर एक नजर**

- **झुडपी जंगल (महाराष्ट्र):** इस निर्णय के बाद, झुडपी के जंगल की भूमि को कोर्ट के 1996 के फैसले के अनुरूप वन भूमि के रूप में माना जाएगा।
  - टी. एन. गोदावर्मन तिरुमुलपाद बनाम संघ सरकार (1996) वाद में, कोर्ट ने वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 के तहत 'वन भूमि' की परिभाषा का विस्तार किया था। साथ ही, यह भी स्पष्ट किया था कि यह अधिनियम सभी वनों पर लागू होना चाहिए, चाहे उनके स्वामित्व की प्रकृति या वर्गीकरण कुछ भी हो।
- **1996 से पहले के भूमि आवंटनों को छूट:** यह अपवाद जनहित को ध्यान में रखते हुए शामिल किया गया है, क्योंकि उन भूमियों पर अब सरकारी भवन, घर, स्कूल आदि निर्मित हो चुके हैं।
  - हालांकि, कोर्ट ने राज्य सरकार को केंद्र से वन (संरक्षण) अधिनियम के तहत मंजूरी लेने का आदेश दिया है।
  - साथ ही, यह भी कहा है कि भूमि उपयोग में बदलाव नहीं किया जा सकता और इसका हस्तांतरण केवल विरासत के माध्यम से ही अनुमत है।
- **1996 के बाद के आवंटनों के लिए जवाबदेही:** 1996 के बाद के भूमि आवंटनों के लिए, राज्य सरकार को कारण बताना होगा और इसके लिए जिम्मेदार अधिकारियों के नाम भी बताने होंगे।
  - केंद्र तभी इन प्रस्तावों पर कार्यवाही करेगा, जब उन अधिकारियों के खिलाफ वन अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी।
- **गैर-आवंटित भूमियों की सुरक्षा:** सभी खंडित भू-खंडों (जिनका क्षेत्रफल तीन हेक्टेयर से कम है और वे किसी भी वन क्षेत्र से सटे हुए नहीं हैं) को संरक्षित वन घोषित किया जाएगा।
  - गैर-वन उपयोग के लिए वन (संरक्षण) अधिनियम के तहत अनुमोदन की आवश्यकता होती है, और ऐसी भूमि को किसी भी गैर-सरकारी इकाई को आवंटित नहीं किया जा सकता है।

**झुडपी जंगलों के बारे में**

- झुडपी (अर्थ- झाड़ियां) भूमि का अर्थ झाड़ियों से युक्त निम्न कोटि की अनुपयुक्त भूमि है।
- इन भूमियों में निम्न मुरमाडी मिट्टी (बजरी और कम कठोर पत्थरों वाली शुष्क मिट्टी) होती है, जहां वृक्षों का विकास संभव नही था। इसलिए, इन पर झाड़ियों और अन्य शुष्क वनस्पतियों का विस्तार था।
- विशेषज्ञों के अनुसार, ये पारिस्थितिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण क्षेत्र हैं, जो वन्यजीव गलियारों के रूप में कार्य करते हैं।
- ये जंगल मुख्य रूप से महाराष्ट्र के पूर्वी विदर्भ क्षेत्र में पाए जाते हैं।

## अन्य सुर्ख़ियां

### चागोस द्वीपसमूह

यूनाइटेड किंगडम (UK) ने चागोस द्वीपसमूह की संप्रभुता मॉरीशस को सौंप दी।

**चागोस द्वीप-समूह के बारे में**

- यह हिंद महासागर में स्थित ब्रिटिश क्षेत्र था।
- **अवस्थिति:** यह भारतीय उपमहाद्वीप के दक्षिणी बिंदु से लगभग 1,600 किलोमीटर दक्षिण में मध्य हिंद महासागर में स्थित है।
- **संरचना:** यह सात एटोल (प्रवाल द्वीप) का समूह है। इनमें डिएगो गार्सिया सबसे बड़ा है।
- **इतिहास:** 1965 में यूनाइटेड किंगडम ने इसे तीन मिलियन पाउंड में खरीदा था। हालांकि, मॉरीशस का दावा है कि उसे स्वतंत्रता देने के बदले यह सौदा करने के लिए मजबूर किया गया था।
- **जैव विविधता:** ग्रेट चागोस बैंक में प्रचुर प्रवाल भित्तियां मौजूद हैं।
- **सामरिक महत्त्व:** डिएगो गार्सिया में संयुक्त राज्य अमेरिका का सैन्य अड्डा स्थित है।
  - नए समझौते के अनुसार डिएगो गार्सिया सैन्य अड्डा यूनाइटेड किंगडम को 99 वर्षों के लिए पट्टे पर दिया गया है। इसके बदले में मॉरीशस को प्रतिवर्ष 136 मिलियन डॉलर की राशि प्राप्त होगी।

### डेटन शांति समझौता (Dayton Peace Agreement: DPA)

हाल ही में डेटन में नाटो संसदीय सभा आयोजित हुई। गौरतलब है कि इसी जगह पर डेटन शांति समझौते पर सहमति बनी थी।

- डेटन संयुक्त राज्य अमेरिका के ओहायो में स्थित है।

**डेटन शांति समझौते के बारे में**

- **हस्ताक्षर वर्ष:** डेटन शांति समझौते पर 1995 में पेरिस में हस्ताक्षर किए गए थे। हालांकि, इस शांति समझौते की रूपरेखा पर डेटन के निकट राइट-पैटरसन वायुसेना अड्डे पर सहमति बनी थी।
- **महत्त्व:** इसे 'जनरल फ्रेमवर्क एग्रीमेंट फॉर पीस इन बोस्निया एंड हर्ज़ेगोविना' के नाम से भी जाना जाता है। इस समझौते से पूर्व समाजवादी संघीय गणराज्य यूगोस्लाविया में साढ़े तीन वर्षों तक चले बोस्नियाई युद्ध समाप्त हुआ था।
  - डेटन शांति समझौते का एनेक्स 4 वास्तव में बोस्निया और हर्ज़ेगोविना का वर्तमान संविधान है।

### तरल कार्बन (Liquid Carbon)

वैज्ञानिकों ने पहली बार इन-सीटू एक्स-रे विवर्तन का उपयोग करके तरल कार्बन की संरचना का अध्ययन किया।

**तरल कार्बन के बारे में**

- अब तक तरल अवस्था में कार्बन के बारे में बहुत कम जानकारी थी, क्योंकि इस रूप में इसका प्रयोगशाला में अध्ययन करना व्यावहारिक रूप से लगभग असंभव था।
  - सामान्य दबाव में कार्बन द्रवित नहीं होता है, बल्कि तुरंत गैसीय अवस्था में परिवर्तित हो जाता है।
  - यह 4,500°C के आसपास और बहुत उच्च दबाव की स्थिति में तरल अवस्था में तब्दील होता है। ऐसी स्थिति में कोई भी कंटेनर टिक नहीं सकता है।
- उदाहरण के लिए- इसे ग्रहों के आंतरिक भाग में पाया जा सकता है।
- यह परमाणु संलयन जैसी भविष्य की प्रौद्योगिकियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

### राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा बोर्ड (National Road Safety Board)

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को 6 महीनों के भीतर राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा बोर्ड का गठन करने का निर्देश दिया।

**राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा बोर्ड के बारे में**

- **कानूनी आधार:** इसे मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 215B के तहत स्थापित करने का प्रावधान किया गया है।
  - धारा 215B के अनुसार, केंद्र सरकार द्वारा एक राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा बोर्ड का गठन किया जाएगा। इसमें अध्यक्ष के अलावा राज्य सरकारों के प्रतिनिधि तथा अन्य सदस्य शामिल होंगे।
- **कार्य:**
  - यह बोर्ड केंद्र और राज्य सरकारों को सड़क सुरक्षा एवं यातायात प्रबंधन से संबंधित सभी पहलुओं पर सलाह देगा।
    - इन सलाहों में सड़क सुरक्षा मानकों, सड़क अवसंरचना, सड़क डिज़ाइन आदि से संबंधित सुझाव एवं मार्गदर्शन शामिल होंगे।

## प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI)

भारत में **निवल FDI में विगत वर्ष की तुलना में 2024–25 में 96% से अधिक की गिरावट दर्ज** की गई। यह गिरावट मुख्यतः दो कारणों से हुई:

- विदेशी कंपनियां अधिक मात्रा में पूंजी भारत से बाहर ले गईं, और
- भारतीय कंपनियों ने विदेशों में निवेश बढ़ा दिया।

### प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) के बारे में

- **परिभाषा:** भारत के बाहर के निवासियों द्वारा भारत में निम्नलिखित में किया गया निवेश FDI माना जाता है:
  - किसी **असूचीबद्ध भारतीय कंपनी में इक्विटी के माध्यम से निवेश**, या
  - किसी **सूचीबद्ध भारतीय कंपनी के शेयरों के जारी होने के बाद फुली डाइल्यूटेड आधार पर पेड अप कैपिटल के 10% या उससे अधिक** का निवेश।
    - **फुली डाइल्यूटेड शेयर** किसी कंपनी के कुल सामान्य शेयरों की संख्या को दर्शाते हैं। इनमें शामिल होते हैं: वर्तमान में शेयरधारकों के पास मौजूद आउटस्टैंडिंग शेयर्स, और वे संभावित शेयर्स, जिन्हें प्रेफरेंस शेयर्स, स्टॉक ऑप्शंस आदि के रूपांतरण से प्राप्त किया जा सकता है।
- **नोडल विभाग:** उद्योग संवर्द्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (DPIIT)
- **महत्त्व:**
  - यह भारत के **आर्थिक विकास के लिए गैर-ऋण वित्त का स्रोत** है।
  - FDI से **पूंजी, तकनीक और वैश्विक प्रबंधकीय कौशल भारत** में आते हैं। इससे रोजगार के अवसर सृजित होते हैं और अलग-अलग क्षेत्रकों का विकास होता है।

## भारत में लौह अयस्क भंडार

केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने **महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में एक लौह अयस्क परिशोधन संयंत्र** के लिए सैद्धांतिक वन मंजूरी प्रदान की।

### भारत में लौह अयस्क भंडार के बारे में

- भारत **एशिया में सबसे बड़े लौह अयस्क भंडारों वाला देश** है।
- भारत में मुख्यतः **हेमेटाइट और मैग्नेटाइट प्रकार के उच्च गुणवत्ता वाले लौह अयस्क** पाए जाते हैं।
- अधिकांश लौह अयस्क भंडार **पूर्वोत्तर पठारी क्षेत्र में कोयला क्षेत्रों के समीप** स्थित हैं।
- भारत के **95% लौह अयस्क भंडार ओडिशा, झारखंड, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, गोवा, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु** में स्थित हैं।

## वीरता पुरस्कार (Gallantry Awards)

राष्ट्रपति ने सशस्त्र बल, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल और राज्य/ संघ राज्य क्षेत्र पुलिस बल के कार्मिकों को **कीर्ति चक्र और शौर्य चक्र** प्रदान किए।

### वीरता पुरस्कारों के बारे में

- **युद्धकालीन पुरस्कार:** इसमें **परमवीर चक्र, महावीर चक्र और वीर चक्र** शामिल हैं, जिनकी शुरुआत 1950 से हुई थी।
- **शांतिकालीन पुरस्कार:** इनकी शुरुआत 1952 में हुई थी। इसमें **अशोक चक्र श्रेणी-I, श्रेणी-II और श्रेणी-III** शामिल थे। 1967 में इनका नाम बदलकर **क्रमशः अशोक चक्र, कीर्ति चक्र और शौर्य चक्र** कर दिया गया।
- **ये पुरस्कार वर्ष में दो बार घोषित किए जाते हैं: गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस पर।**
- **वरीयता क्रम:** परमवीर चक्र, अशोक चक्र, महावीर चक्र, कीर्ति चक्र, वीर चक्र और शौर्य चक्र।
- पुरस्कार **मरणोपरांत भी दिए** जा सकते हैं।

## मल्लखंभ मार्शल आर्ट

मल्लखंभ को **दीव में आयोजित पहले 'खेलो इंडिया बीच गेम्स' में एक प्रदर्शन (गैर-पदक) खेल** के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है।

### मल्लखंभ मार्शल आर्ट के बारे में

- **अर्थ:** "मल्ल" का अर्थ होता है **पहलवान** और "खंभ" का अर्थ होता है **स्तंभ**। इस प्रकार, मल्लखंभ का अर्थ है **"खंभे पर कुश्ती"**।
- **ऐतिहासिकता: रामायण से और चंद्रकेतुगढ़ (दूसरी-पहली शताब्दी ईसा पूर्व)** से प्राप्त प्राचीन मिट्टी के बर्तनों तथा **चीनी बौद्ध यात्रियों के वृतांतों** में इसका उल्लेख मिलता है ।
  - इसका **प्रथम प्रत्यक्ष साहित्यिक उल्लेख चालुक्य राजा सोमेश्वर तृतीय द्वारा लिखित मानसोल्लास (12वीं शताब्दी)** में मिलता है।
- **आधुनिक उपस्थिति:** पारंपरिक रूप से **विशेषकर मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में इसका अखाड़ों** में अभ्यास किया जाता है।
- **मान्यता: भारतीय मल्लखम्ब महासंघ** की स्थापना 1980 में हुई थी।
  - इसकी ओर **1936 के बर्लिन ओलंपिक में** एक प्रदर्शन खेल के रूप में अंतर्राष्ट्रीय ध्यान आकर्षित किया गया था।
  - **पहली मल्लखम्ब विश्व चैंपियनशिप 2019 में मुंबई** में आयोजित की गई थी।

## अमृत भारत स्टेशन योजना

हाल ही में प्रधान मंत्री ने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 103 पुनर्विकसित रेलवे स्टेशनों का उद्घाटन किया।

### अमृत भारत स्टेशन योजना के बारे में

- **उत्पत्ति:** इसकी शुरुआत 2021 में तब हुई थी, जब **गांधीनगर को पहला** आधुनिक रेलवे स्टेशन बनाने की प्रक्रिया शुरू हुई थी।
- **उद्देश्य:** रेलवे स्टेशनों को उन्नत एवं आधुनिक बनाना और उन्हें जीवंत शहरी केंद्रों में परिवर्तित करना।
- वर्तमान में **1275 स्टेशन** इसका हिस्सा बन गए हैं।
- **मंत्रालय:** रेल मंत्रालय।
- **विशेषताएं:**
- प्रत्येक स्टेशन के लिए विस्तृत योजनाएं बनाई गई हैं, ताकि उन्हें **स्वच्छ, आरामदायक और उपयोग हेतु आसान** बनाया जा सके।
- पुनर्विकसित स्टेशन भवनों का डिज़ाइन **स्थानीय संस्कृति, धरोहर और वास्तुकला** से प्रेरित है। उदाहरण के तौर पर- **अहमदाबाद स्टेशन** का डिज़ाइन **मोढेरा सूर्य मंदिर** से प्रेरित है।